

## ताकत वतन की हमसे है हिम्मत वतन की हमसे है

ताकत वतन की हमसे है  
हिम्मत वतन की हमसे है  
इज्जत वतन की हमसे है  
इंसान के हम रखवाले

पहरेदार हिमालय के हम, झोंके हैं तूफान के  
सुनकर गरज हमारी सीने फट जाते चट्टान के  
ताकत वतन की हमसे है...

सीना है फौलाद का अपना, फूलों जैसा दिल है  
तन में विन्ध्याजल का बल है, मन में ताजमहल है  
ताकत वतन की हमसे है...

देकर अपना खून सींचते देश की हम फुलवारी  
बंसी से बन्दूक बनाते हम वो प्रेम पुजारी  
ताकत वतन की हमसे है...

आकर हमको कसम दे गई, राखी किसी बहन की  
देंगे अपना शीश, न देंगे मिट्टी मगर वतन की  
ताकत वतन की हमसे है...

खतरे में हो देश अरे तब लड़ना सिर्फ धरम है  
मरना है क्या चीज़ आदमी लेता नया जनम है  
ताकत वतन की हमसे है...

एक जान है, एक प्राण है सारा देश हमारा  
नदियाँ चल कर थकी रुकी पर कभी न गंगा धरा  
ताकत वतन की हमसे है...

गीतकार - गोपालदास सक्सेना "नीरज"  
संगीत - एस.डी.बर्मन  
फिल्म - प्रेम पुजारी (1970)

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1336/title/taakat-watan-ki-humse-hai-himmat-watan-ki-humse-hai-patriotic-song-with-Hindi-lyrics>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |